Dr. Girija Uraon
Associat professor
Depatt of psychology
Rohtas mahila college, Sasaram

Date: / /
Page No.:

B.A. part-II paper III Group A

(7) व्यावहारिकता एवं उपयोगिता (practicability and utility) :- परिकल्पना का निर्माण करते समय अनुसंधानकर्ता को चाहिए कि ऐसी परिकल्पना का निर्माण करे जो व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र के लिए उपयोगी तथा लाभप्रद हो।

(8) स्वीकृत या अस्वीकृत होने योग्य (able to be accepted or rejected) :- शोधकर्ता को परिकल्पना बनाते समय इतनी सावधानी बरतनी चाहिए कि उसका स्वरूप ऐसा हो कि उसे सत्य या असत्य प्रमाणित किया जा सके। सत्य प्रमाणित होने पर वह स्वीकृत हो जाती है और असत्य प्रमाणित होने पर वह अस्वीकृत हो जाती है।

(9) उपकरण तथा परीक्षण की उपलब्धि (availability of tools and tests) :- परिकल्पना की रचना करते समय इस बात को भी ध्यान रखना चाहिए कि परिकल्पना ऐसी हो कि उसको सही या गलत प्रमाणित करने के लिए अनुकूल उपकरण तथा परीक्षण उपलब्ध हो। ऐसा नहीं होने पर शोधकर्ता को अपनी परिकल्पना के अनुकूल उपकरण तथा परीक्षण बनाने की कठिनाई उठानी पड़ेगी।

(10) संगत चरों की संक्रियात्मक परिभाषायें (operational definitions of relevant variables) :- परिकल्पना की रचना करते समय शोधकर्ता को यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि परिकल्पना में संगत चरों की संक्रियात्मक परिभाषा उपलब्ध हो। ऐसा करने से परिकल्पना के परीक्षण में अधिक सुविधा होती है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि परिकल्पना बनाते समय शोधकर्ता को उपर्युक्त बातों को ध्यान में रखना चाहिए और आवश्यक सावधानियाँ बरतनी चाहिए ताकि समुचित परिकल्पना का निर्माण हो सके।

Scanned with CamScanner